

२/१/६

अज्ञातली पेशदारी अपीलाट क उलके अतिमापक  
उप० नहीं है। के लो० अ० १ व २ के अतिमापक  
की धातुलाळ योगी उप०। अपी० क उलके अति०  
को २-३ घाट आवाज दिलाई गई। लेखित  
की० उप० नहीं दुपे। अपालत समस्त लमादि ले  
पूर्व पुनः अपी० क उलके अति० की आवाज  
दिलाई गई, लेखित लिट भी कोई उप० नहीं  
दुपे। अतः अपी० अपीलाटों अफर एजिरी अफर  
पेशी अपीलाट के खारिज की जाती है। पत्रावली  
निम्न शुभारंभ होकर बाद तारिख तारिख तारिख  
रूप है।

२  
अति० त० वाद  
कोर